- विश्व कैंसर दिवस पर एन0एस0एस0 के विद्यार्थियों ने जानी व्यसनों से हानि
- प्राथमिक विद्यालय में डॉ0 साहब सिंह के निर्देशन में युवा सीख रहे हैं समाज सेवा का गुर
- सण्डे हो या मण्डे, नशे को मारो डण्डे आदि स्लोगनों द्वारा व्यसनों से दूर रहने की दी प्रेरणा

मन को इतना अच्छा बना लो कि परमात्मा इसमें बैठ सके .....

मन के गंदा होने से ही संसार गंदा बन जाता है। जैसा संकल्प वैसा ही व्यवहार होता है। जैसा सोचते हैं वैसा ही बनते हैं। जैसा संस्कार बनायेंगे वैसा ही व्यवहार करेंगे। संसार में इंजीनियर, डॉक्टर के अलावा और भी बहुत से स्टेटस प्राप्त हो सकते हैं लेकिन इन सबके होते हुए जीवन में दैवीय गुण आ जायें तब ऐसा जीवन सबके लिए कल्याणकारी हो जाता है। यह सद्विचार ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के व्यसन मुक्त भारत अभियान के अन्तर्गत आयोजित कार्यक्रम शान्ती भवन, आनन्दपुरी केन्द्र की संचालिका ब्रह्माकुमारी शान्ता बहिन ने बागला महाविद्यालय की द्वितीय इकाई द्वारा डॉ0 साहब सिंह के निर्देशन में निकटवर्ती गाँव जोगिया में विश्व कैंसर दिवस पर आयोजित एन0एस0एस0 शिविर के विद्यार्थियों के लिए आयोजित कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए व्यक्त किये।

उन्होंने कहा कि सच्चा अध्यात्म हमें बुराईयों से बचाकर रखता है। मन को इतना अच्छा बना लो कि परमात्मा इसमें बैठ सके। परमपिता परमात्मा शिव द्वारा सिखाया गया राजयोग जीने की एक कला सिखाता है। सभी धमों के परमपिता परमात्मा शिव का परिचय सभी को कराकर हिन्दू, मुस्लिम सिक्ख ईसाई आपस में भाई–भाई का संदेश दिया गया। आत्मिक रूप से सभी भाई–भाई हैं यह पाठ सभी विद्यार्थियों को कराया गया। बी0के0 दिनेश भाई ने व्यसनों की जानकारी युवाओं को प्रदान की। बी0के0 गजेन्द्र भाई ने व्यसनों आधारित स्लोगनों – ढाई इंच की बीड़ी है, यही मौत की सीढ़ी है, सण्डे हो या मण्डे नशे को मारो डण्डे, बीड़ी सिगरेट और शराब जीवन को करते खराब आदि का प्रदर्शन किया।

इससे पूर्व बागला महाविद्यालय के पूर्व पुस्तकालयाध्यक्ष जे0पी0 शर्मा ने आगन्तुकों का शब्दों से स्वागत के लिए स्वागत गान '''स्वागत है देवी तुम्हारा'' प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर एन0एस0एस के शिविरार्थी युवाओं ने भी व्यसनों को छोड़ने सम्बन्धी कविताओं की प्रस्तुति की। विद्यार्थियों ने गुटखा छोड़ने और कभी उपयोग न करने का संकल्प व्यक्त किया। कईयों ने अपनी सुपारी का दान किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में गजेन्द्र सिंह पौरूष, सत्यवीर सिंह, वन्दना बहिन सहित समस्त विद्यार्थियों का योगदान रहा।

pdfMachine
Is a pdf writer that produces quality PDF files with ease!
Produce quality PDF files in seconds and preserve the integrity of your original documents. Compatible across nearly all Windows platforms, if you can print from a windows application you can use pdfMachine.
Get yours now!